RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 मुंबई : शनिवार, 18 फरवरी 2023 वर्ष 04 अंक 261 संपादक : फैसल शेख पृष्ठ : 4 कीमत : 03 रुपये

दैनिक रोकठोक लेखनी

खबरें बे-रोकटोक

Read E Newspaper at Paper Boy App, Magzter App, Jio News App, Paytm App, Dailyhunt App

उद्धव ठाकरे को बड़ा झटका!

एकनाथ शिंदे गुट को मिला शिवसेना पार्टी का नाम और चुनाव चिन्ह धनुष-बाण

मुंबई : चुनाव आयोग में एकनाथ शिंदे गुट की जीत हुई है। चुनाव आयोग ने शुक्रवार को आदेश दिया कि पार्टी का नाम शिवसेना और पार्टी का प्रतीक धनुष बाण एकनाथ शिंदे गुट द्वारा रखा जाएगा। इस नतीजे को उद्धव ठाकरे गुट के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। चुनाव आयोग ने देखा कि शिवसेना का वर्तमान संविधान अलोकतांत्रिक है। बिना किसी चुनाव के पदाधिकारियों के रूप में एक गुट के लोगों को अलोकतांत्रिक रूप से नियुक्त करने के लिए इसे विकृत कर दिया गया है। इस तरह की पार्टी की संरचना विश्वास को प्रेरित करने में विफल रहती है।

चुनाव आयोग ने पाया कि 2018 में संशोधित शिवसेना का संविधान भारत के चुनाव आयोग को नहीं दिया गया है। आयोग के आग्रह पर दिवंगत बालासाहेब ठाकरे द्वारा लाए गए 1999 के पार्टी संविधान में लोकतांत्रिक मानदंडों को पेश करने के कार्य को संशोधनों ने पूर्ववत कर दिया था। चुनाव आयोग ने यह भी देखा कि शिवसेना के मूल संविधान के अलोकतांत्रिक मानदंड, जिसे 1999 में आयोग द्वारा स्वीकार नहीं किया गया था, को गुप्त तरीके से वापस लाया गया है, जिससे पार्टी एक जागीर के समान हो गई है।

चुनाव आयोग ने यह भी देखा कि शिंदे गुट का समर्थन करने वाले 40 विधायकों ने कुल 47,82,440 वोटों में से 36,57,327 वोट हासिल किए। यानी 55 विजयी विधायकों के पक्ष में डाले गए वोटों का 76% है। यह 15 विधायकों द्वारा प्राप्त 11,25,113 वोटों के विपरीत है, जिनके समर्थन का दावा ठाकरे गुट ने किया है। 90,49,789 के मुकाबले, महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव 2019 में शिवसेना द्वारा डाले गए कुल वोट (हारने वाले उम्मीदवारों सहित), याचिकाकर्ता का समर्थन करने वाले 40 विधायकों द्वारा डाले गए वोट 40% आते हैं। जबकि, उत्तरदाताओं का समर्थन करने वाले 15 विधायकों द्वारा डाले गए वोट 12% आते हैं। शिंदे गुट का समर्थन करने वाले 13 सांसदों ने कुल 1,02,45143 वोटों में से 74,88,634 वोट हासिल किए, यानी लोकसभा चुनाव 2019 में 18 सांसदों के पक्ष में डाले गए वोटों का 73%। यह ठाकरे गुट का समर्थन करने वाले 5 सांसदों द्वारा प्राप्त 27,56,509 वोटों के विपरीत है। यानी 27% वोट 18 सांसदों के पक्ष में पड़े। उन्होंने दावा किया कि असली शिवसेना हम हैं और मामला चुनाव आयोग के पास है। अब चूंकि चुनाव आयोग ने शिवसेना को एकनाथ शिंदे को पार्टी और चुनाव चिन्ह दिया है, इसलिए यह प्रमाण पत्र एकनाथ शिंदे सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई के दौरान भी दे सकते हैं। चुनाव आयोग ने हमें पार्टी का नाम और सिंबल दिया है तो दलबदल कानून कैसे लागू हो सकता है, शिंदे के वकील सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई में दावा करेंगे।

नवी मुंबई के 5 साल की बच्ची से रेप, हिरासत में 14 साल का नाबालिग

नवी मुंबई: एक पांच साल की बच्ची ने जब अपनी मां से यह बताया कि पड़ोस में रहने वाले भइया ने उसके साथ क्या किया है, तो मां का दिल दहल गया. वो सदमे में आ गई. उसने तुरंत नवी मुंबई के उरण इलाके के पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज करवाई.नवी मुंबई की उरण पुलिस ने उरण इलाके में रहने वाले 14 साल के नाबालिग आरोपी के खिलाफ रेप का केस दर्ज किया. बच्ची की उम्र सिर्फ पांच साल की होने की वजह से इस खबर से पूरे इलाके में दहशत फैल गई है. इस घटना से ना सिर्फ उरण बल्कि पनवेल और नवी मुंबई की महिलाओं में दहशत फैल गई है. उरण पुलिस ने नाबालिग आरोपी के साथ ही बच्ची के माता-पिता से भी पूछताछ और जांच शुरू कर दी है.

गरमाई महाराष्ट्र की सियासत

जितेंद्र आव्हाड बनाम महेश आहेर केस में अंडरवर्ल्ड की एंट्री!

ठाणे: महाराष्ट्र के राजनीतिक संघर्ष के बीच अंडरवर्ल्ड की एंट्री से माहौल गरमा गया है। मनपा अतिक्रमण विभाग के सहायक आयुक्त महेश आहेर पर हुए हमले को इसी की एक कड़ी बताया जा रहा है। जानकारों का कहना है कि इस घटना के बाद मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और राज्य के पूर्व मंत्री विधायक जितेंद्र आव्हाड के बीच जारी राजनीतिक संघर्ष और बढ़ सकता है। दूसरी तरफ, महेश आहेर पर हुए हमले के आरोप में चार एनसीपी पदाधिकारियों अभिजीत पवार, हेमंत वाणी, विक्रम खामकर और विशाल गायकवाड़ को गिरफ्तार करके पुलिस ने कोर्ट में पेश किया। ठाणे कोर्ट ने उन्हें एक दिन की पुलिस हिरासत में भेजा है। विधायक जितेंद्र आव्हाड सहित अन्य नामजदों की

पुलिस तलाश कर रही है। आव्हाड गुरुवार को अंडरग्राउंड रहे। आव्हाड की पत्नी और ठाणे-पालघर एनसीपी महिला आघाडी अध्यक्ष ऋतुजा आव्हाड ने अपनी बेटी और उसके घर वालों को महेश आहेर की धमकी को लेकर अप्रत्यक्ष रूप से मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर हमला बोला। मीडिया से बात करते ऋतुजा ने कहा कि राज्य में सत्ता परिवर्तन के बाद से आव्हाड को लगातार निशाना बनाया जा रहा है। आहेर की शिकायत पर नौपाडा पुलिस ने जितेंद्र आव्हाड सहित कुल 7 लोगो के खिलाफ आईपीसी की कई धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। जख्मी आहेर को एक प्राइवेट अस्पताल में भर्ती किया गया। डॉक्टरों के अनुसार, उनकी स्थिति में काफी सुधार हुआ है। बुधवार की शाम महेश आहेर ड्यूटी खत्म कर घर जाने के लिए निकले थे। उसी वक़्त मनपा मुख्यालय के गेट पर एनसीपी के लोगो ने उन पर हमला बोला। आहेर ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने आरोप लगाया कि आव्हाड के विधानसभा क्षेत्र में अवैध निर्माण तोड़ने और उनकी बात नहीं सुनने के कारण आव्हाड उनसे नाराज थे, इसीलिए उन पर जानलेवा हमला किया गया। उनका कहना है कि हमलावर उन्हें जान से मारने की धमकी दे रहे थे।

ठाणे रेलवे स्टेशन परिसर में रिक्शा चालकों की मनमानी पर ट्रैफिक पुलिस लेगी एक्शन

ठाणे : ठाणे महानगरपालिका प्रशासन ने रेलवे स्टेशन परिसर के अंतर्गत डेढ़ सौ मीटर क्षेत्र को पूरी तरह से फेरीवाला मुक्त कर दिया है। इस संदर्भ में जानकारी देते हुए महानगरपालिका कमिश्नर अभिजीत बांगर ने कहा कि ठाणे रेलवे स्टेशन परिसर में नागरिकों की सुरक्षित आवाजाही के लिए स्थानीय पुलिस और यातायात पुलिस का सहयोग अपेक्षित है। उनके सहयोग के बगैर रिक्शावाले की मनमानी से निपटा नहीं जा सकताऔर ना ही फेरीवालों को हटाया जा सकता है। उन्होंने पुलिस प्रशासन से आग्रह किया है कि ठाणे रेलवे स्टेशन परिसर में सुबह और शाम के समय स्थायी तौर पर पुलिस के साथ ही स्थानीय यातायात पुलिस की भी उपस्थिति अपेक्षित है। इस बात का जिक्र बांगर ने पुलिस अधिकारियों के साथ हुई बैठक के दौरान किया।

ठाणे रेलवे स्टेशन परिसर को फेरीवाला मुक्त रखने और रिक्शाचालकों से निपटने को लेकर ठाणे महानगरपालिका कमिश्नर

अभिजीत बांगर ने पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक में चर्चा की। उन्होंने अन्य कई सुझाव दिए। बैठक में यातायात विभाग के पुलिस उपायुक्त डॉ. विनय कुमार राठौड, नौपाड़ा पुलिस उपायुक्त गणेश गावडे के साथ ही अन्य पुलिस अधिकारी भी मौजूद थे। बैठक के दौरान ठाणे महानगरपालिका कमिश्नर बांगर ने जोर दिया कि बिना स्थानीय पुलिस और यातायात पुलिस के सहयोग के रेलवे स्टेशन परिसर में पैदा होने वाली समस्या का समाधान संभव नहीं है। पुलिस के सहयोग के बल पर ही अवैध फेरीवालों और मनमौजी रिक्शाचालकों से निपटा जा सकेगा। तब जाकर ही आम यात्रियों की दैनिक आवाजाही सुचारु रुप से हो पाएगी।

संपादकीय / लेख

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

बेलगाम खालिस्तानी

कनाडा के मिसिसागा में राम मंदिर को जिस तरह निशाना बनाया गया और उसकी दीवारों पर भद्दे, अपमानजनक एवं भड़काऊ नारे लिखे गए, उससे यह स्पष्ट है कि ऐसी हरकतें करने वाले तत्व बेलगाम होते जा रहे हैं। चूंकि दीवारों पर खालिस्तान के समर्थन में भी नारे लिखे गए, इसलिए इसमें कोई संशय नहीं रह जाता कि इसके पीछे खालिस्तानी अतिवादियों का हाथ है। हाल के समय में यह तीसरी बार है, जब कनाडा में किसी मंदिर को निशाना बनाया गया हो। कनाडा में सक्रिय खालिस्तानी भारतीयों पर भी हमले कर चुके हैं। इसके अलावा वे खालिस्तान को लेकर जनमत संग्रह कराने का तमाशा भी कर चुके हैं। यह मानने के अच्छे-भले कारण हैं कि खालिस्तानी अतिवादी यह सब करने में इसीलिए समर्थ हैं, क्योंकि वोट बैंक की सस्ती राजनीति के कारण कनाडा की वर्तमान सरकार उनकी घृणा फैलाने वाली हरकतों की अनदेखी करना पसंद कर रही है।

स्पष्ट है कि कनाडा सरकार के प्रति भारत को अपना रवैया कठोर करना होगा, क्योंकि वह खालिस्तानी चरमपंथियों के विरुद्ध कोई ठोस कार्रवाई करती नहीं दिखती। कनाडा सरकार अपने ढुलमुल रवैये से खालिस्तानियों का दुस्साहस ही बढ़ा रहा है। दुर्भाग्य से वह यह जानते हुए भी ऐसा कर रही है कि अतीत में कनाडा के खालिस्तानी किस तरह आतंकी घटनाओं को अंजाम दे चुके हैं। इनमें एयर इंडिया के विमान में विस्फोट की घटना भी है, जिसमें तीन सौ से अधिक यात्री मारे गए थे। समस्या केवल यह नहीं है कि कनाडा में सक्रिय खालिस्तानी अनियंत्रित हो रहे हैं, बल्कि यह भी है कि वे आस्ट्रेलिया में भी बेलगाम हो रहे हैं। इस तथ्य को ओझल नहीं किया जा सकता कि आस्ट्रेलिया में खालिस्तानियों की ओर से तीन मंदिरों को निशाना बनाया जा चुका है। कनाडा और आस्ट्रेलिया में मंदिरों के बाहर जैसे भारत विरोधी घृणित नारे लिखे गए और जिस प्रकार भिंडरांवाले का गुणगान किया गया, उससे खालिस्तानियों के अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क का ही पता चलता है। भारत सरकार को केवल कनाडा, आस्ट्रेलिया के साथ कुछ अन्य देशों में खालिस्तानियों की सक्रियता से ही चिंतित नहीं होना चाहिए, बल्कि इससे भी होना चाहिए कि अन्य भारत विरोधी तत्व और विशेषकर जिहादी शक्तियां भी विदेश में मंदिरों को निशाना बना रही हैं। इसे विस्मृत नहीं किया जा सकता कि कुछ समय पहले ब्रिटेन के लेस्टर शहर में जिहादी तत्वों ने एक मंदिर को निशाना बनाया था। खतरनाक बात यह है कि जिहादी और खालिस्तानी न केवल एक ही एजेंडे पर काम कर रहे हैं, बल्कि वे मिलकर हिंदू विरोध को हवा भी दे रहे हैं। भारत को उनसे सतर्क रहना होगा। भारत सरकार को इससे भी चिंतित होना चाहिए कि हिंदुओं के प्रति घृणा का भाव बांग्लादेश और पाकिस्तान में भी बढ़ रहा है। यह घृणा भाव यही बताता है कि हिंदूफोबिया अब एक हकीकत है।

editor@rokthoklekhaninews.com
Faisal Shaikh @faisalshaikh_91

कर्मचारी से बदला लेने के लिए शख्स ने दो SUV कार में लगाई आग

कॉन्ट्रैक्ट टूट जाने पर रची थी साजिश

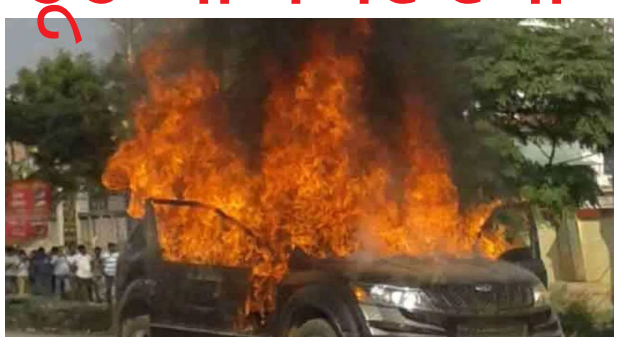

मुंबई : मुंबई में एक शख्स ने प्रसिद्ध बिल्डर के कर्मचारी से बदला लेने के लिए साजिश के तहत उसके बंगले में खड़ी दो एसयूवी कार में आग लगा दी है। हालांकि पुलिस ने आरोपियों को तुरंत ही गिरफ्तार कर लिया है। दरअसल मुंबई के प्रसिद्ध बिल्डर ने सुरक्षा सेवा पाने के लिए व्यक्ति के साथ कॉन्ट्रैक्ट पर हस्ताक्षर किए थे। लेकिन हाल ही में बिल्डर ने इरफान खान के साथ उस कॉन्ट्रैक्ट को तोड़ दिया था। इरफान खान डिवेलपर को सिक्योरिटी मैनपावर मुहैया कराता था।

आरोपियों ने दो एसयूवी कार को किया आग के हवाले

कॉन्ट्रैक्ट टूट जाने पर इरफान खान को यह बर्दाशत नही हुआ। खान को डेवलपर के सुरक्षा प्रभारी इंद्रजीत अहेर पर जिम्मेदार होने का शक हुआ और उसने बदला लेने के लिए साजिश रची। खान ने इस काम के लिए दो अन्य को काम पर रखा। जिसके बाद दोनो ने वसोर्वा के आराम नगर में स्थित इंद्रजीत अहेर के बंगले में खड़ी दो एसयूवी में आग लगा दी थी। हालांकि दमकल ने आग पर काबू पा लिया है, लेकिन अगर वे समय पर नहीं पहुंचे होते तो आग लकड़ी के बंगले तक फैल जाती।

अहेर से बदला लेने के लिए रचि साजिश

अहेर के दोस्त ने इसकी सूचना पुलिस को दी जिसके बाद उन्होंने मौके पर पहुंच कर दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया था। पुलिस ने उन्हें आग लगाने के बाद बंगले से भागते हुए देखा था। पुलिस के द्वारा पकड़े जाने पर दोनों आरोपियों ने गुनाह कबूल लिया और साजिश के रचयिता इरफान खान का नाम बता दिया। जिसके बाद उसे भी गिरफ्तार कर लिया गया था। पुलिस सूत्रों के अनुसार, खान ने बदला लेने का इरादा किया और रिजवान शेख और अकरम खान नामक दो लोगों को इस घटना को अंजाम देने की जिम्मेदारी सौंपी थी।

अहेर के द्वारा पूछे जाने पर इरफान ने कहा सॉरी

साजिश में शामिल रिजवान और अकरम दोनों ही नशे के आदी माने जाते हैं। पूछताछ के दौरान, उन्होंने कारों को जलाने की बात स्वीकार की और पुलिस को खान की भूमिका के बारे में बताया। खान ने स्वीकार किया कि उसने अपराध की साजिश रची क्योंकि उसका मानना था कि डेवलपर के फैसले के लिए अहेर जिम्मेदार था। अहेर ने बताया कि वह आज अदालत में खान से मिला और उसने खान से कई बार पूछा कि उसने ऐसा क्यों किया और हर बार उसने केवल सॉरी कहा।

आरे कारशेड विवाद: देरी से रोजाना 5.87 करोड़ रुपए का हो रहा नुकसान

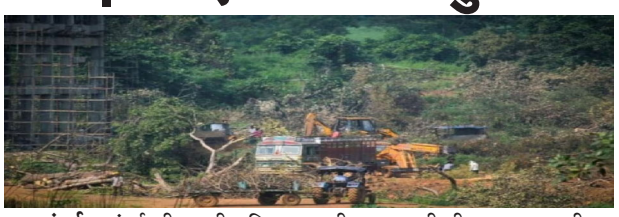

मुंबई : मुंबई की पहली भूमिगत मेट्रो के लिए आरे में बन रहे कारशेड का विवाद अभी भी मुंबई हाईकोर्ट में चल रहा है। कारशेड निर्माण के लिए पेड़ काटे जाने के खिलाफ हाईकोर्ट में दायर जनहित याचिका पर गुरुवार को भी सुनवाई हुई। मुंबई मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने गुरुवार को मुंबई हाईकोर्ट को बताया कि आरे कॉलोनी में कार शेड के निर्माण में देरी हो रही है। एमएमआरसीएल ने हलफनामा देकर दावा किया कि देरी से रोजाना 5.87 करोड़ रुपए का नुकसान होगा जिसका भार सरकार और आम जनता पर पड़ेगा। पर्यावरणविद् जोरू बथेना ने बीएमसी वृक्ष प्राधिकरण द्वारा आरे में मेट्रो-3 के कार शेड के लिए 177 पेड़ों को काटने की नोटिस को चुनौती दी है, जबकि सुप्रीम कोर्ट ने 84 पेड़ काटने की इजाजत दी थी। एमएमआरसीएल ने कोर्ट को बताया कि अदालती मामलों के कारण, 2019 में पेड़ों को नहीं काट सका और इसके कारण परियोजना के लिए काटे जाने वाले पेड़ों की संख्या में वृद्धि हो गई है। 2019 में एमएमआरसीएल ने बृहन्मुंबई महानगर पालिका (बीएमसी) के वृक्ष प्राधिकरण से 84 पेड़ों को काटने की अनुमति मांगी थी। बीएमसी की ओर से दावा किया गया कि 177 में 84 पेड़ और बाकि झाड़ियां हैं जो 2019 के बाद बढ़ी हैं। एमएमआरसीएल के वकील आशुतोष कुंभकोनी ने अदालत को बताया कि याचिकाकताओं के चलते यह मामला चार साल तक लंबित रहा। चार साल पहले जो केवल पौधे थे वे स्वाभाविक रूप से बढ़े और अब पेड़ बन गए हैं।

पालघर की फार्मा कंपनी में जोरदार ब्लास्ट 1 मजदूर की दर्दनाक मौत, 4 घायल

पालघर : महाराष्ट्र से मिली एक बड़ी खबर के अनुसार यहां के पालघर जिले के बोईसर-तारापुर इलाके में एक फार्मा कंपनी में भयंकर विस्फोट हो गया है। इस ब्लास्ट के चलते एक मजदूर की भी मौत हो गई। जबकि चार अन्य घायल बताए जा रहे हैं। मिली जानकारी के समय, कंपनी में जब विस्फोट की घटना हुई, तब 49 कर्मचारी में यहां मौजूद थे। घटना पर विवरण का इंतजार है। गौरतलब है कि इसे पहले, बीते 26 अक्टूबर 2022 को महाराष्ट्र के पालघर जिले के बोईसर कस्बे के तारापुर टक्ळ में स्थित एक रासायनिक कारखाने में बुधवार को हुए विस्फोट में कम से कम 3 श्रमिकों की मौत हो गई थी और 12 अन्य घायल हो गए थे। वहीं जानकारी के मुताबिक, घटना कपड़ा उद्योग में इस्तेमाल होने वाले गामा एसिड का उत्पादन करने वाली इकाई में शाम चार बजकर 20 मिनट पर हुई थी।

रमेश बैस शनिवार को लेंगे राज्यपाल पद की शपथ...

मुंबई : महाराष्ट्र के नवनियुक्त राज्यपाल रमेश बैस शनिवार को यहां अपने पद की शपथ लेंगे। शपथग्रहण समारोह राजभवन के दरबार हॉल में होगा। आधिकारिक जानकारी के मुताबिक बैस आज शाम मुंबई पहुंचेंगे। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे सहित गणमान्य हस्तियां हवाई अड्डे पर उनका स्वागत करेंगे। दो अगस्त 1947 को रायपुर में जन्मे बैस संसदीय राजनीति, सामाजिक सरोकारों और संगठन कार्य में पांच दशकों के लंबे अनुभव के साथ नगरसेवक के पद से लेकर केंद्रीय राज्य मंत्री और राज्यपाल के पद तक सार्वजनिक जीवन में विभिन्न जिम्मेदारियों का बखूबी निर्वहन किया है। वह 1989 में पहली बार रायपुर से लोकसभा के लिए चुने गए थे। तब से वह छह बार यानी कुल सात बार लोकसभा के लिए चुने जा चुके हैं। वर्ष 1998 में उन्हें प्रधान मंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के मंत्रिमंडल में इस्पात और खान मंत्रालय में राज्य मंत्री के रूप में नियुक्त किया गया था।

बस में छूट गया मोबाइल या फिर कोई कीमती सामान?

फिक्र नॉट... बस इस नंबर को करें डायल

मुंबई : रेलवे के बाद मुंबईकरों के लिए बेस्ट बस सबसे किफायती सार्वजनिक परिवहन विकल्प है. इसीलिए बेस्ट बस को मुंबई की दूसरी लाइफलाइन कहा जाता है. बेस्ट बस में सफर के दौरान कुछ लोग अपना सामान भूल जाते हैं. कुछ अपने मोबाइल फोन भी भूल जाते हैं. ऐसे में कुछ तो मोबाइल वापस मिलने की उम्मीद ही छोड़ देते हैं. बेस्ट बस में मोबाइल भूल जाने वाले यात्रियों को बेस्ट प्रशासन ने कुछ राहत देने की कोशिश की है.

मुंबई के लोगों को मिलेगा लाभ

जनवरी 2023 में बेस्ट की बसों में मिले मोबाइल को यात्रियों को फिर से देने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है. प्रशासन ने जानकारी दी है कि माह जनवरी 2023 में बेस्ट बस में गुम हुए मोबाइल फोन और बेस्ट के पास जमा कराए गए मोबाइल फोन की सूची गुमशुदा वस्तुओं के विभाग में बेस्ट पहल की वेबसाइट, अधिक संपर्क विवरण पर उपलब्ध है. 30 दिसंबर 2022 से 29 जनवरी 2023 तक बेस्ट की बस में करीब 40 मोबाइल फोन प्राप्त हुए हैं. प्रशासन की ओर से अनुरोध किया गया है कि यात्री 15 मार्च 2023 से पहले इस मोबाइल फोन पर क्लेम कर लें.

इसमें आईफोन भी शामिल है

विभिन्न बस रूटों पर चलने वाली बसों में कभी-कभी यात्री अपना मोबाइल फोन भूल जाते हैं. इसमें आईफोन भी शामिल है. बेस्ट के पास लगभग तीन आईफोन हैं. बसों में अधिकांश मोबाइल फोन अल्लर्ड्ड फोन हैं. मोबाइल फोन का दावा करने के लिए किन दस्तावेजों की आवश्यकता होती है?

मोबाइल का दावा करने के लिए आवश्यक दस्तावेज इस प्रकार हैं:

> पहचान पत्र और आवासीय प्रमाण, जैसे- आधार कार्ड, चुनाव कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, पासपोर्ट आदि.

> कैश मेमो/मोबाइल बिल.

> सिम कार्ड विवरण.

> मोबाइल फोन खो जाने के संबंध में पुलिस शिकायत की प्रति.

बेस्ट प्रशासन ने यह भी स्पष्ट किया है कि दस्तावेजों के उचित सत्यापन के बाद ही दावेदार को मोबाइल फोन दिया जाएगा.

कीमती सामान (यानी सोना, चांदी, हिरे-मोती) का दावा करने के लिए आवश्यक दस्तावेज.

> पहचान पत्र और आवासीय प्रमाण (जैसे आधार कार्ड, चुनाव कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, पासपोर्ट आदि).

पुणे-सोलापुर हाइवे में भयंकर एक्सीडेंट, 3 गाड़ियां एक दूसरे से बुरी तरह से टकराईं, 1 की दर्दनाक मौत

पुणे : महाराष्ट्र से मिली एक सनसनीखेज खबर के अनुसार, यहां के पुणे पुणे-सोलापुर नैशनल हाइवे पर हवेली तहसील के पास उरुली कांचन गांव से गुजरते वक्त 3 वाहनों में भयंकर टक्कर हो गई है। वहीं इस अविश्वसनीय घटना में एक शख्स की मौत हो गई है। उक्त घटना आज यानी शुक्रवार 17 फरवरी सुबह 5 बजे हुई है। फिलहाल वाले की पहचान नहीं हो पाई है। जानकारी के अनुसार एक कंटेनर पुणे की ओर जा रहा था। तभी एलाइट चौक और तलवडी चौक के बीच इसे पीछे से आ रहे एक कंटेनर ने अचानक जोर की टक्कर मार दी। इस भयंकर टक्कर से यह कंटेनर डिवाइडर को पार करता हुआ दूसरी तरफ सोलापुर जाने वाली सड़क में आ गया और सोलापुर की दिशा में खड़े एक चार चक्के वाले बड़े वाहन से टकरा गया। इस विचित्र टकराव में तीनों वाहनों को काफी नुकसान हुआ और इसमें एक शख्स की दर्दनाक मौत हो गई।

विस्तार से समझें तो आज सुबह 5 बजे पुणे-सोलापुर नैशनल हाइवे पर हवेली तहसील के उरुली कांचन गांव से गुजरते हुए एक कंटेनर को पीछे से आ रहे एक कंटेनर ने टक्कर मार दी। यह पूरा वाकया एलाइड चौक और तलवडी चौक के बीच घटित हुई। इस टक्कर से कंटेरनर डिवाइडर से दूसरी तरफ सोलापुर जाने वाली सड़क पर आ गया और एक अन्य चार चक्के वाले वाहन से टकरा गया। इससे यह तीन वाहनों की भीषण दुर्घटना में एक शख्स मौत हुई। दुर्घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय लोगों ने तुरंत ही पुलिस को खबर कर दी। लेकिन पांच मिनट के अंतर पर मौजूद लोणी कालभोर पुलिस थाने के सीमा क्षेत्र में हुई दुर्घटना के बाद भी 30 मिनिट तक पुलिस नहीं पहुंची। इसके चलते दुर्घटना स्थल पर गाड़ियों की लंबी लाइन लग गई और ट्रैफिक जाम की समस्या पैदा हुई है।

पनवेल महानगरपालिका के क्षेत्र में दूर होगा जल संकट!

76 करोड़ रुपए की निधी हुई मंजूर...

नवी मुंबई : केंद्र सरकार के अमृत 2.0 मिशन के तहत पनवेल महानगरपालिका को 355 करोड़ 74 लाख रुपए लागत की सीवेज और जलापूर्ति परियोजनाओं के लिए प्रशासनिक स्वीकृति प्राप्त हुई है। इसके चलते जहां पनवेल महानगरपालिका के तहत आने वाले शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर विकास होगा, वहीं दूसरी ओर पनवेल में महानगरपालिका के क्षेत्र में जलापूर्ति की समस्या दूर होगी।

गौरतलब है कि केंद्र सरकार प्रायोजित अमृत 2.0 मिशन के तहत महाराष्ट्र में कई काम किया जा रहा है। उक्त अभियान के तहत जलापूर्ति, झीलों का जीर्णोद्धार और हरित क्षेत्रों का विकास आदि कार्य पूरे राज्य में किए जा रहे हैं। इस अभियान के तहत राज्य के सभी नगर पालिकाओं और महानगरपालिकाओ में ढांचागत सुविधाएं सृजित की जाएगी। महाराष्ट्र के 44 शहरों में सीवरेज सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी, इसमें पनवेल महानगरपालिका को शामिल किया गया है। इसके अलावा जलापूर्ति परियोजना के लिए स्वीकृति मिलने से पनवेल महानगरपालिका क्षेत्र में जलापूर्ति समस्या का समाधान होगा। पनवेल महानगरपालिका को सीवरेज परियोजना के लिए केंद्र सरकार की ओर से 69 करोड़ रुपए और राज्य सरकार से 76 करोड़ रुपए की निधी मंजूर की गई है। उक्त काम के लिए पनवेल महानगरपालिका को अपनी तिजोरी कुल लागत का 30 प्रतिशत हिस्सा देना है। वहीं जलापूर्ति परियोजना के लिए कुल 148 करोड़ 16 लाख रुपए की राशि मंजूर हुई है, इसमें 49 करोड़ केंद्र सरकार, 54 करोड़ राज्य सरकार और 44 करोड़ रुपए पनवेल महानगरपालिका की ओर से दिए जाएंगे।

CM एकनाथ शिंदे का बड़ा बयान, कहा- BJP के साथ हमारी सरकार वैधानिक रूप से बनी है

मुंबई: शिवसेना के एक धड़े का नेतृत्व करने वाले महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने शुक्रवार को कहा कि उनकी पार्टी न्यायपालिका में भरोसा करती है और उम्मीद जताई कि उच्चतम न्यायालय 2022 के महाराष्ट्र राजनीतिक संकट से संबंधित मामले में अपना फैसला गुण-दोष के आधार पर करेगा। हालांकि, शिवसेना (उद्धव बाल ठाकरे यूबीटी) के नेता संजय राउत ने कहा कि उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली पार्टी ''असली शिवसेना है और उच्चतम न्यायालय जब 21 फरवरी को मामले में सुनवाई करेगा तो सच्चाई की जीत होगी। उच्चतम न्यायालय ने शिवसेना के दो धड़े बनने के बाद महाराष्ट्र में जून 2022 में पैदा हुए सियासी संकट संबंधी याचिकाओं को 2016 के नबाम रेबिया फैसले की समीक्षा के लिए सात न्यायाधीशों की पीठ को भेजने से शुक्रवार को इनकार कर दिया।

प्रधान न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ की अगुवाई वाली पांच सदस्यीय संविधान पीठ ने कहा कि 21 फरवरी को इस बात पर गुण-दोष के आधार पर विचार किया जाएगा कि विधायकों को अयोग्य ठहराने संबंधी विधानसभा अध्यक्ष की शक्तियों पर 2016 के फैसले में संदर्भ की आवश्यकता है या नहीं। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए मुख्यमंत्री शिंदे ने कहा, ''हमें न्यायपालिका में भरोसा है। हमें उम्मीद है कि फैसला गुण-दोष के आधार पर किया जाएगा। हमारी बहुमत की सरकार है और इसका गठन वैधानिक रूप से हुआ है। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष मामले में सुनवाई लंबा करने के लिए इसे बड़ी पीठ को भेजना चाहता है।

उन्होंने कहा, ''लोकतंत्र में बहुमत का महत्व होता है और हमारी सरकार इसी आधार पर बनी है। हम लोगों के जनकल्याण के लिए काम कर रहे हैं। राउत ने कहा कि उनकी पार्टी का मानना है कि जब शीर्ष अदालत अपना फैसला सुनाएगी तो सच की जीत होगी और न्याय मिलेगा। उन्होंने कहा, ''सरकारों और राजनीतिक पार्टियों को धन-बल के इस्तेमाल के जरिए अस्थिर नहीं किया जा सकता है। हम एक स्वच्छ राजनीतिक तंत्र चाहते हैं।

पिता ने काट डाला 12 साल के बेटे का गला, बोरे में भरकर ले जा रहा था लाश, तभी...

मुंबई : मुंबई के अंबरनाथ इलाके में बुधवार (15 फरवरी) की रात एक 12 वर्षीय मासूम की उसके पिता ने ही गला रेत कर हत्या कर दी. 35 वर्षीय पिता को स्थानीय लोगों ने उस समय पकड़ लिया जब वह शव को ठिकाने लगाने की कोशिश कर रहा था. आरोपी की पहचान आनंद गणेशन के रूप में हुई है. अंबरनाथ पुलिस के अनुसार, बुधवार की रात करीब 11.45 बजे आनंद गणेशन अपने बेटे के शव को रेलवे ट्रैक के पास एक नाले में फेंकने के लिए बोरे में भरकर ले जा रहा था. तभी स्थानीय लोगों ने उन्हें पकड़कर पुलिस को सूचित किया.

गुरुवार सुबह पुलिस ने मामला दर्ज कर आनंद को गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया गया, जहां उसे 21 फरवरी तक पुलिस हिरासत में भेज दिया गया. बेटे के शव को पोस्टमार्टम के लिए उल्हासनगर केंद्रीय अस्पताल भेजा गया है.

पत्नी के साथ रहता था बेटा

पुलिस ने कहा कि पारिवारिक विवाद के कारण आनंद और उनकी पत्नी अलग रहते थे. उनके दो बच्चे, एक बेटा और एक बेटी थे. दोनों बच्चे अपनी मां के साथ रहते थे. वह अक्सर अपने बच्चों से मिलने आता था, लेकिन अक्सर यहां अपनी पत्नी से झगड़ा किया करता था. अंबरनाथ पुलिस स्टेशन के एक दारोगा राजेंद्र कोटे ने बताया कि बुधवार को आनंद अपने 12 वर्षीय बेटे आकाश को बिना बताए अपने घर अंबरनाथ ले गया. यहां उसने धारदार हथियार से गला रेत कर आकाश की हत्या कर दी.

पुलिस को फोन से मिली जानकारी

पुलिस के मुताबिक, एक शख्स ने फोन करके बताया कि उन्होंने एक बोरे में लाश देखी है. पुलिस टीम मौके पर पहुंची और रेलवे ट्रैक के पास नाले में बोरा फेंकने से पहले आनंद को दबोच लिया. स्थानीय लोगों की मदद से गिरफ्तार करने से पहले उसने बोरी को पान की दुकान के पीछे छिपा दिया था. पूछताछ के बाद निशानदेही पर पुलिस ने शव बरामद कर लिया. कोटे ने बताया कि पति-पत्नी में अक्सर लड़ाई होती थी, लेकिन हत्या किस वजह से की गई ये अभी तक स्पष्ट नहीं हो पाया है. हम मामले की जांच करेंगे. आरोपी पहले अपराध कबूल नहीं कर रहा था. हमने उसका फोन चेक किया तो उसमें लड़के की तस्वीरें निकलीं. स्थानीय लोगों ने उसे पकड़ने में एक प्रमुख भूमिका निभाई.

महाराष्ट्र के मंत्री का अशोक चव्हाण को BJP में आने का 'ओपन ऑफर',

पूर्व CM ने खुद को बताया जन्मजात कांग्रेसी, कहा- दोस्त हो या ...

मुंबई : महाराष्ट्र कांग्रेस के भीतर बहुत ही बड़ी टूट होने की आशंका सामने आती दिख रही है. महाराष्ट्र कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और कांग्रेस विधायक दल के नेता बालासाहेब थोराट के इस्तीफे के बाद से ये साफ हो गया कि पार्टी में सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है. अब कांग्रेस के पूर्व नेता और महाराष्ट्र के राजस्व मंत्री राधाकृष्ण विखे पाटिल ने गुरुवार को पूर्व मुख्यमंत्री अशोक चव्हाण को भाजपा में शामिल होने की खुली पेशकश करते हुए कहा कि कांग्रेस में उनका भविष्य अंधकारमय है. राजस्व मंत्री राधाकृष्ण विखे पाटिल अब भाजपा के साथ हैं. रिपोर्ट के मुताबिक राधाकृष्ण विखे पाटिल ने कहा कि उन्होंने चव्हाण को ओपन ऑफर दिया है. पाटिल ने कहा कि इसके बारे में उन्होंने चव्हाण से बात नहीं की है, यह मेरी खुली पेशकश है. मेरी राय में अशोक चव्हाण जैसे हाई-प्रोफाइल नेता का कांग्रेस में कोई भविष्य नहीं है, जो पतन के कगार पर है. हाल के दिनों में कांग्रेस के ज्यादातर बड़े नेताओं ने पार्टी छोड़ दिया है. बहरहाल अशोक चव्हाण ने विखे पाटिल की खुली पेशकश पर तीखी प्रतिक्रिया जताते हुए कहा कि यह कांग्रेस में भ्रम पैदा करने की कोशिश है. चव्हाण ने कहा कि ह्यमैं उनकी शुभकामनाओं के लिए उन्हें धन्यवाद देता हूं, लेकिन मुझे आश्चर्य है कि वह मेरे दोस्त हैं या दुश्मन. यह इतना आसान नहीं है.'

शिरडी घूमने गए 88 छात्रों को हुई फूड प्वाइजनिंग, सभी अस्पताल में भर्ती...

महाराष्ट्र : हाल ही में आई बड़ी खबर के मुताबिक, शिरडी से एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। दरअसल अमरावती से शिरडी आए छात्रों को फूड पॉइजनिंग हो गई। खाना खाने के बाद अचानक उल्टी और जी मिचलाने की वजह से छात्रों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के लिए आपको बता दें कि करीब 88 छात्र फूड प्वाइजनिंग की चपेट में आ चुके हैं। इन सभी को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

88 छात्रों को फूड प्वाइजनिंग

ऐसे में अब इस बारे में बताया जा रहा है कि उनका इलाज शिरडी के साईनाथ अस्पताल में चल रहा है। मिली जानकारी के अनुसार अमरावती जिले के दरियापुर तालुका के आदर्श हाई स्कूल की ट्रिप शिरडी को गई थी। कक्षा चौथी से छठी तक कुल 230 विद्यार्थी शिरडी में ट्रिप के लिए आए थे। ऐसे में अब नेवासा में रहने के लिए सभी छात्रों को स्कूल द्वारा व्यवस्थित किया गया था।

ट्रिप स्थल पर हुई घटना

ट्रिप स्थल पर खाना खाने के बाद बच्चों की तबीयत खराब हो गई। नेवासा में जहां छात्र ठहरे हुए थे, वहां उन्हें खाना परोसा गया। बीती रात खाना खाने के बाद 88 छात्रों को उल्टी और जी मिचलाने की शिकायत होने लगी। जिसके चलते हुए विषबाधा होने की खबर सामने आई है।

छात्रों की हालत स्थिर

आपको बता दें कि अब सभी छात्रों की हालत स्थिर है। इस संबंध में डॉ. प्रीतम वडगवे ने जानकारी दी है। रात 11 बजे छात्रों को शिरडी के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। डॉक्टरों ने बताया है कि सभी की हालत स्थिर है। फिलहाल छात्रों के परिजन इस घटना से कही परेशान है।

महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री पर रेप का आरोप, महिला का दावा दुष्कर्म के बाद पैदा हुआ बच्चा

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री उत्तम प्रकाश खंडारे पर एक 37 वर्षीय महिला ने चाकू की नोंक पर रेप करने का आरोप लगाया है। महिला का दावा है कि इस घटना के बाद उसने एक बच्चे को जन्म दिया है। पुणे शहर की पुलिस इस बाबत मामला दर्ज कर लिया है। पूर्व मंत्री के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी के अनुसार खंडारे ने कथित तौर पर 2012 में शिकायतकर्ता से शादी करने का वादा करके उसके साथ संबंध बनाए। आरोप है कि खंडारे ने शिकायतकर्ता महिला को चाकू की नोंक पर डरा धमका कर दुष्कर्म किया। कथित तौर पर शिकायतकर्ता को खंडारे द्वारा दिए गए चेक बाउंस हो गए। आरोप यह भी है कि खंडारे और उसके साथियों ने शिकायतकर्ता महिला को जान से मारने की धमकी दी। उसकी शिकायत के आधार पर, पुलिस ने खंडारे के साथ उनके सहयोगी महादेव भोसले, दशरथ गवली और एक महिला के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 376, 377, 406, 420, 506 (2), 34 के तहत मामला दर्ज किया है।

गोल्ड की हेराफेरी करने वाला हुआ गिरफ्तार

मुंबई : मुंबई के गोरेगांव वनराई पुलिस स्टेशन की हद में एक ऐसा मामला सामने आया जो करोड़ों का गोल्ड, सिल्वर गोल्ड ,पटलीनम गोल्ड हेराफेरी करते थे। गोरेगांव वनराई पुलिस स्टेशन के कामा ज्वेलरी प्राइवेट लिमिटेड कंपनी में करोड़ों का गोल्ड का हेरा फेरी का मामला जब मालिक को यह खबर पता चली तो मालिक ने अपने नजदीकी वनराई पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई जिसके बाद वनराई पुलिस स्टेशन की एक टीम तैयार की गई उस टीम के अंदर सीनियर्स इंस्पेक्टर भी मौजूद थे । क्योंकि करोड़ों का मामला था जिसके बाद कामा ज्वेलरी प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के अंदर जाकर लोगों की जांच किया गया। कामत प्राइवेट लिमिटेड कंपनी में ज्वेलरी का काम होता था उस कंपनी में कुल मिलाकर 400 वर्कर काम करते थे पुलिस को इतना ही मुश्किल था कि 400 वर्षों से पूछताछ कैसे की जाए पुलिस पर जिस जिस लोगों पर शक था उससे लगातार पूछताछ की जा रही थी। जांच करने के बाद यह पता चला कि आखिर गोल्ड जाता कहां था जब सिक्योरिटी गार्ड सब वर्करों की जांच करते थे जांच में किसी के पास कुछ नहीं मिला तो वही पुलिस को शक हुआ की वर्करों की जांच करने वाला ही सिक्योरिटी गार्ड की जांच की जाए जब पुलिस की सारी टीम सिक्योरिटी गार्ड की जांच की जिसके बाद पता चला सिक्योरिटी गार्ड के साथ और कुछ लोग मिलकर कंपनी में हेराफेरी करते थे। कंपनी के अंदर मैनेजिंग डायरेक्टर सुपरवाइजर इंजीनियर और वर्कर सिक्योरिटी गार्ड मिलकर डायमंड और ज्वेलरी की हेराफेरी करते थे. पूछताछ करने के बाद या पता चला कि गोल्ड का हेरा फेरी करीब 4 महीने से चल रहा था। जब सीनियर इंस्पेक्टर की सारी टीम ने सिक्योरिटी गार्ड से पूछताछ की तो सिक्योरिटी गार्ड के चेहरे पर मासूम सा चेहरा सर से टपकता पसीना यह खामोशी पूरा बता रही थी कि आखिर चोर कौन था।

मालिक , मुद्रक,प्रकाशक ,संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिंटिंग प्रेस , गाला नं 3 - 4 ,अमीन इंडस्ट्रियल इस्टेट ,सोनावला क्रॉस रोड नं 12 ,गोरगांव (पूर्व),मुंबई 63 से छपवाकर रूम नं 15 रमजान बिन 17 सी वंजावडी, माहिम वेस्ट मुंबई :4000 16 से प्रकाशित किया। संपर्क कार्यालय : 1 -ए, ग्राउंड फ्लोर साहिल मेंशन, बालमिया लेन, माहिम वेस्ट मुंबई 400016 मोबाइल नं 9987 77 5650 व्हाट्सप्प नं 7977 40 8589 : Email - editor@rokthoklekhaninews.com